समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रसिद्ध विदेशी फर्मों के सहयोग के बिना और बुदनी ट्रैक्टर टैस्टिंग स्टेशन द्वारा परीक्षण किये बिना देश में इस समय 20 अश्व-शक्ति से कम शक्ति वाले कितने किस्म के ट्रैक्टरों और विद्युत चालित हलों का निर्माण हो रहा है ; और

(ख) इस बात को सुनिश्चित करने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है कि इन उपकरणों के खराब हो जाने अथवा भविष्य में इनका उत्पादन बन्द हो जाने पर इस प्रकार के उपकरण खरीदने वाले वर्तमान खरीदारों को कोई हानि न हो ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) एक फर्म ने जो कि पहले विदेशी सहयोग से मिट्टी के तेल से चलने वाले शक्ति चालित हलों का निर्माण करती थी अब बिना विदेशी सहायता से उस शक्ति चालित हल के डीजल से चलने वाले नमूने का विकास किया है । उन्हें कहा गया है कि वे इस नियमित उत्पादन प्रारम्भ करने से पूर्व उसके आद्यरूप को बुंदनी स्थित ट्रैक्टर परीक्षण केन्द्र को परीक्षणार्थ भेजें ।

माइनिंग एण्ड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन तथा केन्द्रीय मशीनी इंजीनियरी अनुसंधान संस्था, दुर्गापुर ने मिल कर 20 अश्व शक्ति के एक ट्रैक्टर का नमूना तैयार किया है । इस ट्रैक्टर के आद्यरूपों का परीक्षण बुंदनी पंतनगर तथा लुधियाना में किया गया था । इसमें कई त्रुटियां पाई गईं और माइनिंग एण्ड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन तथा केन्द्रीय मशीनी इंजीनियरी अनुसंधान संस्था को कहा गया है कि वे उस नमूने में सुधार के अपने प्रयास जारी रखें और ऐसे नमूने का विकास करें जो कि व्यावसायिक उत्पादन उपयुक्त हो ।

एक अन्य फर्म ने भी यह दावा किया है कि उसके 8 अश्व शक्ति के एक ट्रैक्टर को बिना विदेशी सहयोग के इस आशय से तैयार किया है कि वह इसका नियमित उत्पादन करें । पार्टी को मंत्रालय के तकनीकी अधिकारियों के समक्ष ट्रैक्टर के आद्यरूप के प्रदर्शन के लिये कहा गया था किन्तु अभी तक उनसे कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ख) जहां कहीं भी ऐसी कोई देशीय उत्पाद तैयार किया गया तो फालतू पुर्जों तथा हिस्सों की उपलब्धि बिक्री उपरान्त सेवा सुविधाओं के अन्तर्गत हो जायेगी क्योंकि वह निर्माता को ग्राहकों को प्रदान करनी होती हैं ।

New Remuneration and Perquisites fixed by Bombay Oxygen Corporation Ltd.

*1128. SHRI MADHU LIMAYE : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government have received any information about the new remuneration and the perquisites fixed by the Bombay Oxygen Corporation Ltd. ;

(b) whether this remuneration etc. exceed the Managing Agency Commission received by the Managing Agents of the said Company before the abolition of the Managing Agency system ;

(c) whether it is a fact that during the voting, the Unit Trust of India remained neutral although the proposal was opposed by some shareholders ; and

(d) whether the Department of Company Affairs has given its approval to this and, if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) The company in its Extra-ordinary General Meeting held on 19th

February, 1970 resolved that subject to the approval of the Central Government Shri Shyam Madanmohan Ruia be appointed as the Managing Director of the company on a salary of Rs. 7,500/- p.m., commission of 1% on the net profits for each financial year and some perquisites. The total remuneration proposed to be paid being subject to a limit of Rs. 1.35 lakhs per annum. The company has sought approval of the Company Law Board for the said appointment for a period of five years from 4th April, 1970. The company has also applied for protection of the remuneration and perquisites payable to the Managing Director as minimum remuneration in case of absence or inadequacy of profits in any particular year.

(b) The remuneration proposed for the Managing Director exceeds the commission paid to the erstwhile Managing Agents, which was Rs. 45,000/- in *each* of the years 1966 and 1967 and Rs. 75,631/- in the year 1968.

(c) Yes, Sir. However on the basis of the views expressed by the Unit Trust, which holds about one percent of the paid up capital of the company, the company withdrew the proposals for appointment of a paid Chairman and payment of guarantee commission to the directors.

(d) The proposals of the company are under consideration.

Fall in Production of Industries in West Bengal

*1129. SHRI SURAJ BHAN:
SHRI SHARDA NAND:
SHRI KANWAR LAL GUPTA:

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production of industries in West Bengal has proportionately fallen;

(b) the new industries opened in West Bengal during the rule of the United Front Ministry; and

(c) the steps taken by Government to provide industrial peace in the State?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) A statement is laid on the Table of the House indicating the production of certain selected industries in West Bengal during the years 1968-69. [*Placed in Library. See* No. LT-3251/70].

(b) Information is being collected and will be placed on the Table of the House.

(c) The State Government is primarily concerned with such matters.

तीसरे दर्जे, पहले दर्जे और वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों से आय और उनकी सुविधाओं की व्यवस्था

*1130. **श्री ओम प्रकाश त्यागी**: क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1969 में तीसरे दर्जे, पहले दर्जे और वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों से, अलग-अलग, रेलवे को कितनी आय हुई ;

(ख) उपर्युक्त वर्ष में उपरोक्त दर्जों में दी गई सुविधाओं पर कितनी राशि खर्च की गई ;

(ग) क्या तीसरे दर्जे के यात्रियों के लिये उपलब्ध की गई सुविधाओं से सरकार संतुष्ट है ; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार भविष्य में कौन-कौन सी अतिरिक्त सुविधाएं देने की व्यवस्था करेगी ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा): (क) 1968-69 में भारत की सरकारी रेलों में यात्री